अकादमी में परिवहन उप निरीक्षकों का प्रशिक्षण पूर्ण

हाल ही में सम्पूर्ण उत्तरी भारत में सर्वश्रेष्ठ घोषित की गई राजस्थान पुलिस अकादमी पुलिस अधिकारियों के साथ–साथ एनफोर्समेन्ट से जुडे अन्य विभागों के अधिकारियों का प्रशिक्षण भी बखूबी पूर्ण करवा रही है। इसी कडी में परिवहन विभाग के अनुरोध पर राजस्थान पुलिस अकादमी द्वारा परिवहन विभाग के 130 उप निरीक्षकों का 10 सप्ताह का गहन प्रशिक्षण पूर्ण कराया गया।

इन उप निरीक्षकों का समापन सत्र राजस्थान पुलिस अकादमी में दिनांक 02.12.2016 को ऑडिटोरियम में सम्पन्न हुआ, जिसमें सार्वजनिक निमार्ण विभाग एवं परिवहन मन्त्री युनुस खान एवं प्रमुख शासन सचिव एवं परिवहन आयुक्त शैलेन्द्र अग्रवाल पधारे। अकादमी के निदेशक राजीव दासोत भी इस विशेष अवसर पर परिवहन मन्त्री एवं परिवहन आयुक्त के साथ समारोह में उपस्थित थे। इस बैंच में 116 पुरुष एवं 14 महिला परिवहन उप निरीक्षक थे तथा यह परिवहन विभाग के उप निरीक्षकों का अब तक का सबसे बड़ा बैच था। प्रशिक्षण के दौरान इन उप निरीक्षकों को इण्डोर एवं आउटडोर दोनों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

परिवहन उप निरीक्षकों के लिए इण्डोर विषयों पर प्रषिक्षण में उन सभी विषयों का समावेश किया गया, जिनका उपयोग इन्हें भावी सेवाकाल में करना है। इनके इण्डोर पाठ्यसामग्री में एमवी एक्ट, राजस्थान मोटर यान नियम, राजस्थान मोटर यान कराधान अधिनियम एवं राजस्थान मोटर यान कराधान नियमों की जानकारी के अतिरिक्त राजस्थान सेवा नियम, राजस्थान सिविल सेवाएं आचरण नियम 1971, सामान्य वितीय एवं लेखा नियम, सूचना का अधिकार अधिनियम, लोक सेवा गारण्टी अधिनियम आदि के प्रावधानों की जानकारी के साथ ही मोटर ड्राईविंग एवं ट्रेनिंग स्कूल व फिटनेस सेन्टर का भ्रमण करवाकर उसका व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इन्हें उपरोक्त सभी के अतिरिक्त फील्ड में लोगों से उचित व्यवहार के लिए एटीकेट्स, मैनरिज्म, नैतिक मूल्यों, आचरण पर प्रषिक्षण भी प्रदान किया गया। आउटडोर प्रशिक्षण में पीटी, परेड एवं योगा का अभ्यास करवाया।

इस अवसर पर बोलते हुए परिवहन मन्त्री श्री युनुस खान ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को उनके सेवाकाल में काम में आने वाले नियमों और कानून को नियमित रूप से सीखते रहने की सलाह देते हुए जीवन में प्रतिदिन दक्षता की तरफ कदम बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने पुलिस एवं परिवहन विभाग में समन्वय की आवश्यकता पर बल देते हुए पूर्ण ईमानदारी एवं सेवा भाव से कार्य का आह्वान किया। उन्होंने वर्दी से मिली ताकत का सदुपयोग करने की सीख देते हुए लोगों से अच्छा व्यवहार करते हुए राजस्व लक्ष्यों को पूर्ण करते हुए दायित्वों का निर्वहन करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि हमारी जिम्मेदारी आम जनता को राहत देने की है तथा इस निमित हमें अपने दृष्टिकोण में बदलाव लाना चाहिए। उन्होंने प्रशिक्षुओं को पारदर्शिता एवं जबावदेही से कार्य करने के साथ ही अनावश्यक विवाद बचने की सलाह भी दी तथा अपने पद एवं वर्दी का ईकबाल बनाये रखने का आह्वान किया।

इस अवसर पर बोलते हुए प्रमुख शासन सचिव श्री शैलेन्द्र अग्रवाल ने सभी प्रशिक्षुओं से अकादमी में मिली शारीरिक फिटनेस को बनाये रखते हुए जनता एवं परिवहन विभाग के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया।

प्रशिक्षण के समापन सत्र में अकादमी के निदेशक श्री राजीव दासोत ने प्रशिक्षणार्थियों के लिए की गई विशेष व्यवस्थाओं का उल्लेख करते हुए अकादमी में संचालित विभिन्न प्रशिक्षणों एवं गतिविधियों की जानकारी प्रदान की। उन्होंने आधारभूत प्रशिक्षण के महत्व पर बल देते हुए अन्य प्रशिक्षणों में भी पूर्ण गुणवत्ता बनाये रखने का महत्व बताया। उन्होंने बताया कि अकादमी में पदस्थापन के पश्चात् अकादमी को 48 विभिन्न भागों विभक्त कर उनका भ्रमण किया गया एवं तात्कालिक, अल्प अवधि एवं दीर्घकालीन प्राथमिकताएं तय कर उन्हें पूर्ण करने के लिए पूर्ण कटिबद्धता से कार्य शुरू किया गया। इस अवसर पर उन्होंने अकादमी में संचालित विभिन्न कल्याणकारी कार्यो की जानकारी भी प्रदान की जिसमें निःशुल्क चिकित्सा शिविर एवं जाँच, क्रेश का संचालन, एकलव्य अध्ययन केन्द्र की स्थापना एवं पुलिस परिवारजनों के लिए व्यवसायिक प्रशिक्षण की शुरूआत आदि थे। इस अवसर पर उन्होंने अकादमी को नॉर्थ जोन में सर्वश्रेष्ठ अकादमी घोषित किये जाने की भी जानकारी प्रदान की।

प्रशिक्षण की विस्तृत जानकारी कोर्स डाईरेक्टर एवं उप अधीक्षक पुलिस श्री जगदीश पूनियाँ द्वारा प्रदान पावर पाईन्ट प्रजेन्टेषन द्वारा दी गई। प्रजेन्टेशन में प्रस्तुत प्रशिक्षुओं की व्यायाम एवं परेड अभिभूत कर देने वाली थी। इस अवसर पर कोर्स के स्क्वाड मॉनिटर्स एवं पुलिस शहीद दिवस पर पोस्टर प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को परिवहन मन्त्री द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गये। प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर दो प्रतिभागियों ने अपने विचार व्यक्त किये। प्रशिक्षु शकीला बानो ने जब बताया कि उसके पिता एक ट्रक ड्राईवर हैं तथा अपने माता–पिता को अपनी उपलब्धि के लिए धन्यवाद दिया तो सभी दर्शक भावुक हो गये। परिवहन मन्त्री ने प्रषिक्षुओं से प्रश्न पूछ कर प्रशिक्षण की गुणवत्ता भी परखी। अन्त में डॉ0 मनीषा अरोड़ा ने सभी को धन्यवाद ज्ञापन किया।